Industrial Revolution (औद्योगिक क्रांति)

The Industrial revolution was started in Britain which produced a basic Change in the means of Production. The specific attributes of Industrial revolution were :

औद्योगिक क्रांति ब्रिटेन में शुरू हुई जिससे उत्पादन के साधनों में बुनियादी बदलाव आया।औद्योगिक क्रांति की विशिष्ट विशेषताएँ थीं:

1- Productive investment(Capital)	**उत्पादक निवेश (पूंजी)**
2- National and International market	**राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार**
3- Technological advancement	**तकनीकी उन्नति**
4- Social changes etc.	**सामाजिक परिवर्तन आदि।**

As the result of Industrial revolution, man was replaced by machines in production;So modern factory system was started.

औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप, उत्पादन में मनुष्य का स्थान मशीनों ने ले लिया; अतः आधुनिक कारखाना प्रणाली की शुरुआत हुई।

Why did Industrial revolution start in Britain?

The process of agrarian revolution started in Britain in17th Century. As a result,Capitalistic farming started there. Due to agrarian revolution, requirement of raw material and grains fulfilled. There was a gradual improvement in the breeds of animals also. So, availability of mutton and animal products increased. Due to these, population increased in Britain.

ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति क्यों शुरू हुई?

17वीं शताब्दी में ब्रिटेन में कृषि क्रांति की प्रक्रिया शुरू हुई। परिणामस्वरूप, वहाँ पूँजीवादी खेती शुरू हुई। कृषि क्रांति के कारण कच्चे माल और अनाज की आवश्यकताएँ पूरी हुईं। पशुओं की नस्लों में भी धीरे-धीरे सुधार हुआ। परिणामस्वरूप, मटन और पशु उत्पादों की उपलब्धता बढ़ी। इनके कारण ब्रिटेन की जनसंख्या में वृद्धि हुई।

In the 18th Century, internal market of Britain expanded due to the modern transport and communications. For example, the roads were converted into concrete roads and various canals were built. Through these canals and roads, different regions and markets were linked to each other. As the result of growth in population and per capita income, the number of consumers increased.

18वीं शताब्दी में, आधुनिक परिवहन और संचार के कारण ब्रिटेन के आंतरिक बाजार का विस्तार हुआ। उदाहरण के लिए, सड़कों को पक्की सड़कों में बदल दिया गया और विभिन्न नहरों का निर्माण किया गया। इन नहरों और सड़कों के माध्यम से, विभिन्न क्षेत्र और बाजार एक-दूसरे से जुड़े। जनसंख्या और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के परिणामस्वरूप, उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि हुई।

During this period, some credit institutions just developed. In 1774, the chamber of Commerce was established in Britain. The Bank of England came into existence. In the second half of 18th century, Britain even developed a big external market with the foundation of colonies in Asia, America and West Indies.

इस अवधि के दौरान, कुछ ऋण संस्थाओं का विकास हुआ। 1774 में, ब्रिटेन में चैंबर ऑफ कॉमर्स की स्थापना हुई। बैंक ऑफ इंग्लैंड अस्तित्व में आया। 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, ब्रिटेन ने एशिया, अमेरिका और वेस्ट इंडीज में उपनिवेशों की स्थापना के साथ एक बड़ा बाहरी बाजार भी विकसित किया।

Scientific revolution also played significant role in industrial revolution in the Britain. Steam engine, spinning jenny, powerloom, waterframe etc were invented during this period. By the use of these machines, modern factory system was started in Britain.

ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति में वैज्ञानिक क्रांति ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस काल में भाप इंजन, स्पिनिंग जेनी, पावरलूम, वाटरफ्रेम आदि का आविष्कार हुआ। इन मशीनों के प्रयोग से ब्रिटेन में आधुनिक कारखाना प्रणाली की शुरुआत हुई।

Above Machines got the social acceptance in Britain. It is said that the spinning Jenny became successful in Britain because the artisans of Britain accepted it but failed in France because the artisans did not accept it only Govt accepted it.

उपरोक्त मशीनों को ब्रिटेन में सामाजिक स्वीकृति मिली। ऐसा कहा जाता है कि स्पिनिंग जेनी ब्रिटेन में सफल रही क्योंकि ब्रिटेन के कारीगरों ने इसे स्वीकार कर लिया, लेकिन फ्रांस में यह असफल रही क्योंकि कारीगरों ने इसे स्वीकार नहीं किया, केवल सरकार ने इसे स्वीकार किया।

The Foreign policy of England was subordinated to economic policy, as Britain adopted Navigation Act in 17th century to counter Dutch rivalry in trade. There was a conflict between commercial capitalism and Industrial capitalism in Britain. British government favoured Industrial Capitalism and passed Charter Act- 1813. Under the provisions of Charter Act-1813,monopoly of British East India company was abolished except Trade with china and trading of tea.

इंग्लैंड की विदेश नीति आर्थिक नीति के अधीन थी, क्योंकि ब्रिटेन ने व्यापार में डच प्रतिद्वंद्विता का मुकाबला करने के लिए 17वीं शताब्दी में नेविगेशन अधिनियम अपनाया था। ब्रिटेन में वाणिज्यिक पूंजीवाद और औद्योगिक पूंजीवाद के बीच संघर्ष था। ब्रिटिश सरकार ने औद्योगिक पूंजीवाद का समर्थन किया और चार्टर अधिनियम-1813 पारित किया। चार्टर अधिनियम-1813 के प्रावधानों के तहत, चीन के साथ व्यापार और चाय के व्यापार को छोड़कर, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया।

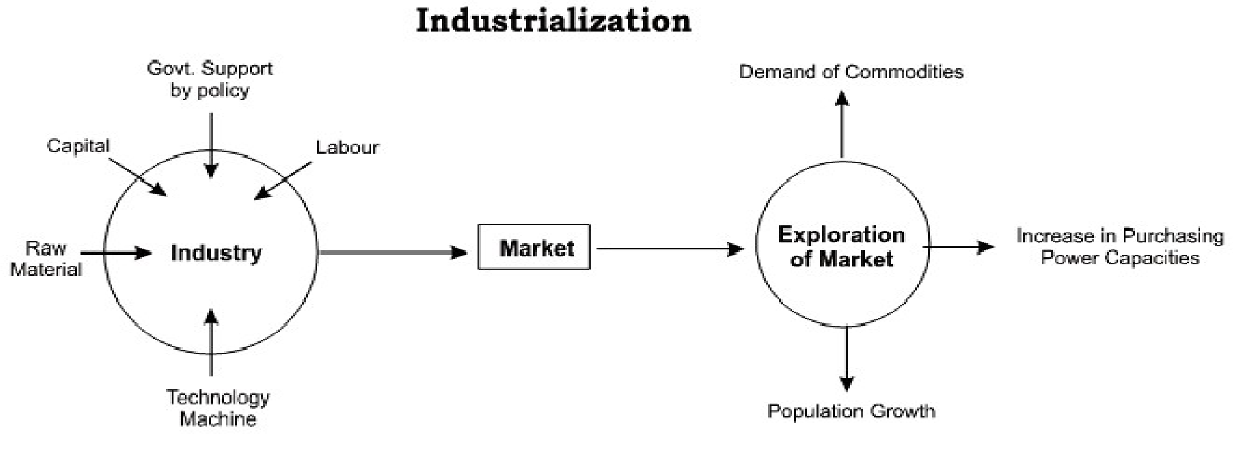

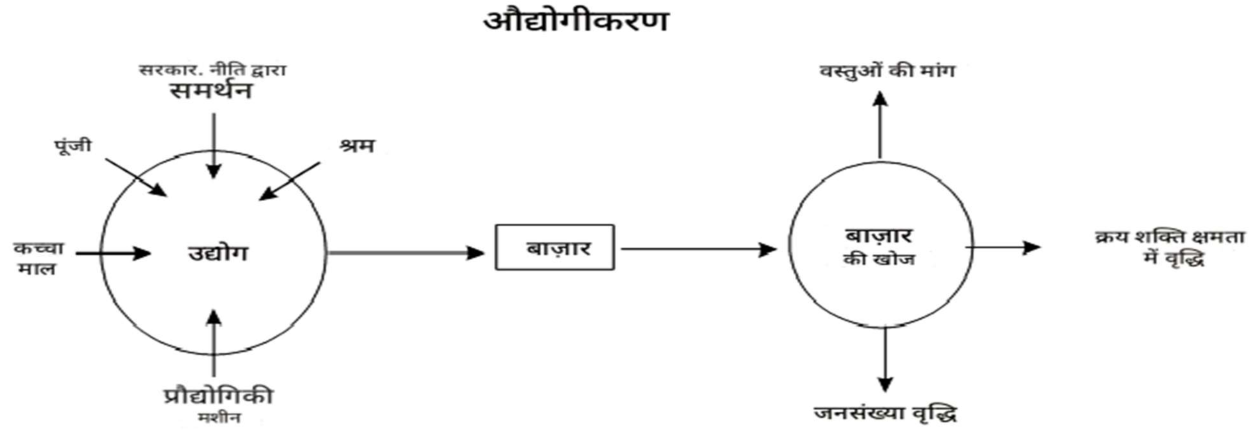

Impact of Industrial Revolution

(1) Impact on Politics : After Industrial Revolution, the power and the responsibility of the Government increased because the state had to deal with a number of questions or problems arising out from Industrial revolution. For example, the state had to legislate a number of Factory Laws in order to regulate the relationship between the labour and the capitalists. In this context, the concept of welfare state developed.

औद्योगिक क्रांति का प्रभाव

(1) राजनीति पर प्रभाव: औद्योगिक क्रांति के बाद, सरकार की शक्ति और ज़िम्मेदारी बढ़ गई क्योंकि राज्य को औद्योगिक क्रांति से उत्पन्न कई प्रश्नों या समस्याओं से निपटना पड़ा। उदाहरण के लिए, श्रमिकों और पूँजीपतियों के बीच संबंधों को विनियमित करने के लिए राज्य को कई कारखाना कानून बनाने पड़े। इसी संदर्भ में, कल्याणकारी राज्य की अवधारणा विकसित हुई।

(2) Impact on Economy : There was a sharp increase in the production and the distribution as the result of the application of new technology of production and transportation. Before Industrial revolution, there was a direct relationship between Producers and Consumers, but after this revolution, the direct relationship just gave way to the very distant relationship. It resulted into the growing of exploitation of consumers. Hence,consumer forums developed to protect the interests of consumers. Imperialism was also inspired due to competition in market.

(2) अर्थव्यवस्था पर प्रभाव: उत्पादन और परिवहन की नई तकनीक के प्रयोग के परिणामस्वरूप उत्पादन और वितरण में तीव्र वृद्धि हुई। औद्योगिक क्रांति से पहले, उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संबंध था, लेकिन इस क्रांति के बाद, यह सीधा संबंध अत्यंत दूर के संबंध में बदल गया। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं का शोषण बढ़ा। इसलिए, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उपभोक्ता मंचों का विकास हुआ। बाज़ार में प्रतिस्पर्धा के कारण साम्राज्यवाद को भी बढ़ावा मिला।

(3) Social Impact : Industrial revolution encouraged the division in society. After Industrial revolution, middle class emerged to be more powerful. On the other hand a new class called proletariat came into existence. So the conflict between the middle class and proletariat class started. As a result of this conflict, some new Ideologies developed such as socialism, utilitarianism, Marxism etc.

(3) सामाजिक प्रभाव: औद्योगिक क्रांति ने समाज में विभाजन को बढ़ावा दिया। औद्योगिक क्रांति के बाद, मध्यम वर्ग अधिक शक्तिशाली बनकर उभरा। दूसरी ओर, सर्वहारा वर्ग नामक एक नया वर्ग अस्तित्व में आया। इस प्रकार मध्यम वर्ग और सर्वहारा वर्ग के बीच संघर्ष शुरू हो गया। इस संघर्ष के परिणामस्वरूप समाजवाद, उपयोगितावाद, मार्क्सवाद आदि जैसी कुछ नई विचारधाराएँ विकसित हुईं।

(4) Cultural Impact : Industrial Revolution developed a new culture. There was a general decline in the sense of compassion among men towards their fellows. On the other hand, the attraction towards the luxuries and comforts in life sharply increased.

(4) सांस्कृतिक प्रभाव: औद्योगिक क्रांति ने एक नई संस्कृति का विकास किया। लोगों में अपने साथियों के प्रति करुणा की भावना में सामान्य रूप से कमी आई। दूसरी ओर, जीवन में विलासिता और आराम के प्रति आकर्षण में तेज़ी से वृद्धि हुई।

Q. Discuss the circumstances under which Britain became the typical example of Industrial Revolution. Discuss the impact of industrial revolution on the society of Britain?

प्रश्न: उन परिस्थितियों की चर्चा कीजिए जिनके तहत ब्रिटेन औद्योगिक क्रांति का विशिष्ट उदाहरण बन गया। ब्रिटेन के समाज पर औद्योगिक क्रांति के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

Ans :Industrialization was an important phenomenon of that period. Which played important role in making industrialized countries as a superpower in economic & political field.The conditions/causes which helped England become leader of Industrial revolution are as following-

उत्तर: औद्योगीकरण उस काल की एक महत्वपूर्ण घटना थी। जिसने औद्योगिक देशों को आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में एक महाशक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंग्लैंड को औद्योगिक क्रांति का अग्रणी बनाने में जिन परिस्थितियों/कारणों ने मदद की, वे निम्नलिखित हैं-

अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ

Favorable Geographical Conditions

- Humid climate of England was favorable for the development of textile industry.
- Abundance of natural resources-coal, iron, etc. strengthen industrial revolution.
- Developed transportation facility and easy access to ports.
- Being surrounded by ocean from all sides it built up a strong navy. Which consequently played an important role in the establishment colonialism.

अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ

• इंग्लैंड की आर्द्र जलवायु कपड़ा उद्योग के विकास के लिए अनुकूल थी।

• प्राकृतिक संसाधनों - कोयला, लोहा आदि की प्रचुरता ने औद्योगिक क्रांति को मज़बूत किया।

• परिवहन सुविधाओं का विकास हुआ और बंदरगाहों तक आसान पहुँच बनी।

• चारों ओर से समुद्र से घिरे होने के कारण, इसने एक मज़बूत नौसेना का निर्माण किया। जिसने उपनिवेशवाद की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Social Factors

- Internal peace was established in England after London revolution. Which strengthen the growth of commerce and industry.
- The sense of personal freedom developed in England's relatively free society. Now each individual was free to establish its own industry as per his wish.
- England's new rich section were retail businessmen and not elite class, who were ready to invest their savings in industry and research works.

सामाजिक कारक

• लंदन क्रांति के बाद इंग्लैंड में आंतरिक शांति स्थापित हुई। जिसने वाणिज्य और उद्योग के विकास को बल दिया।

• इंग्लैंड के अपेक्षाकृत स्वतंत्र समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की भावना का विकास हुआ। अब प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार अपना उद्योग स्थापित करने के लिए स्वतंत्र था।

• इंग्लैंड का नया धनी वर्ग खुदरा व्यापारी था, न कि कुलीन वर्ग, जो अपनी बचत उद्योग और अनुसंधान कार्यों में निवेश करने के लिए तैयार था।

Economic Factors

- The industrial production in England was according to the demand of domestic and global market.
- As a result of mercantilism sufficient capital was collected in England.
- Banks were incorporated in England in 18th century. Which provided soft loans to industrialists .
- Because of agricultural revolution large scale production occurred.
- Commercialization of agriculture, large colonized market.

आर्थिक कारक

- **इंग्लैंड में औद्योगिक उत्पादन घरेलू और वैश्विक बाज़ार की माँग के अनुसार था।**
- **व्यापार वाणिज्य के परिणामस्वरूप इंग्लैंड में पर्याप्त पूँजी एकत्रित हुई।**
- **18वीं शताब्दी में इंग्लैंड में बैंकों की स्थापना हुई। जिन्होंने उद्योगपतियों को आसान ऋण प्रदान किए।**
- **कृषि क्रांति के कारण बड़े पैमाने पर उत्पादन हुआ।**
- **कृषि का व्यावसायीकरण, विशाल उपनिवेशित बाज़ार।**

Scientific Inventions

Scientist	**Inventions**
John K.	Flying shuttle
Cartwright	Power loom
James Watt	Steam Engine

वैज्ञानिक आविष्कार

वैज्ञानिक	आविष्कार
जॉन के.	फ्लाइंग शटल
कार्टराइट	पावरलूम
जेम्स वाट	स्टीम इंजन

- Invention of telegram. Invention of telephone by Graham Bell provided basis to the telecommunications system. This provided strength to industrial revolution.
- Colonial empire was established by Britain through which its access to broad market and raw material increased.
- The event of Black Plague because of which semi-skilled rural workers migrated towards urban area and became an industrial worker.
- Static policies and government which played a role of powerful force in industrial revolution.
- टेलीग्राम का आविष्कार। ग्राहम बेल द्वारा टेलीफोन के आविष्कार ने दूरसंचार प्रणाली को आधार प्रदान किया। इसने औद्योगिक क्रांति को बल प्रदान किया।
- ब्रिटेन द्वारा औपनिवेशिक साम्राज्य की स्थापना की गई जिसके माध्यम से व्यापक बाज़ार और कच्चे माल तक उसकी पहुँच बढ़ी।
- ब्लैक प्लेग की घटना जिसके कारण अर्ध-कुशल ग्रामीण श्रमिक शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कर गए और औद्योगिक श्रमिक बन गए।
- स्थिर नीतियाँ और सरकार, जिन्होंने औद्योगिक क्रांति में एक शक्तिशाली भूमिका निभाई।

Social impact of industrial revolution

- Population increased due to change in the life style.
- New sections of the society- capitalist and workers evolved.
- The culture of joint family changed to nuclear family.
- Dominance of effective industrialists increased.
- Materialistic culture developed and human relations diminished.
- Importance of moral values decreased.
- Problem of dirty colonies surfaced and negative impact on environment .
- Gradually the contribution of females in the businesses increased, more attention was given towards their education and health.

औद्योगिक क्रांति का सामाजिक प्रभाव

- जीवनशैली में बदलाव के कारण जनसंख्या में वृद्धि हुई।
- समाज के नए वर्ग - पूँजीपति और श्रमिक - उभरे।
- संयुक्त परिवार की संस्कृति एकल परिवार में बदल गई।
- प्रभावशाली उद्योगपतियों का प्रभुत्व बढ़ा।

• भौतिकवादी संस्कृति का विकास हुआ और मानवीय संबंधों में कमी आई।
• नैतिक मूल्यों का महत्व कम हुआ।
• गंदी बस्तियों की समस्या सामने आई और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।
• धीरे-धीरे व्यवसायों में महिलाओं का योगदान बढ़ा और उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा।

Presence of the favorable conditions for the industrial revolution like social, financial, political and geographical condition made Britain pioneer of industrial revolution. Industrial revolution increased the gap between different sections in the British society. It encouraged technological development and consumerism.

औद्योगिक क्रांति के लिए अनुकूल सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और भौगोलिक परिस्थितियों की उपस्थिति ने ब्रिटेन को औद्योगिक क्रांति का अग्रणी बना दिया। औद्योगिक क्रांति ने ब्रिटिश समाज में विभिन्न वर्गों के बीच की खाई को और गहरा किया। इसने तकनीकी विकास और उपभोक्तावाद को बढ़ावा दिया।

Industrial Revolution in Germany

Germany was having a vast geographical region but from the very beginning, there were certain impediments in the way of Industrial revolution in Germany. For example,

- Thirty years war played a large scale devastation in German region.
- The pattern of production was very backward in Germany. The Guild system of production was existing there.
- Manorial system of Production was still existing in the eastern part of Germany.
- The vast German region was divided into a number of smaller states .
- Paternalistic laws were in vogue.
- Germany was not having individual capital for investment like Britain.

जर्मनी में औद्योगिक क्रांति

जर्मनी का भौगोलिक क्षेत्र विशाल था, और शुरू से ही जर्मनी में औद्योगिक क्रांति के मार्ग में कुछ बाधाएँ थीं। उदाहरण के लिए,

- **"तीस वर्षीय युद्ध" ने जर्मन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई।**
- **जर्मनी में उत्पादन का स्वरूप बहुत पिछड़ा हुआ था। वहाँ गिल्ड उत्पादन प्रणाली विद्यमान थी।**
- **जर्मनी के पूर्वी भाग में जागीर उत्पादन प्रणाली अभी भी विद्यमान थी।**
- **विशाल जर्मन क्षेत्र कई छोटे राज्यों में विभाजित था।**
- **प्रभुता कानून प्रचलित थे।**
- **जर्मनी के पास ब्रिटेन की तरह निवेश के लिए व्यक्तिगत पूँजी नहीं थी।**

Inspite of the obstacles mentioned above, ultimately, Germany went ahead in the way of industrialization. There were even certain positive factors which encouraged industrial revolution in Germany.As :

उपर्युक्त बाधाओं के बावजूद, अंततः जर्मनी औद्योगीकरण के मार्ग पर आगे बढ़ा। इसमें सकारात्मक कारक भी थे जिन्होंने जर्मनी में औद्योगिक क्रांति को प्रोत्साहित किया। जैसे:

- Napoleon Bonaparte reorganised nearly 200 German states into 16 Bigger ones. Later, the number increased to 39 under the Vienna settlement. As a result of this, German market got unified."
- Napolean had enforced continental system. As a result, British Goods in German regions were boycotted. So ultimately it benefited the Local products in Germany.
- In 1830s, German states got economically unified with Prussia as the result of the formation of Zollverein.
- In 1830-1849,railways started in Germany, so German Market turned to be more unified.
- In 1849-50, Paternalistic Laws were abolished. It prepared the way for the migration of workers from one region to another.
- Joint Stock Banks came into existence in Germany during this period. Joint Stock Banks fulfilled the requirement of the capital in Germany. In fact, what role was played by private investors in Britain, the same role was Played by the Joint Stock Banks in Germany.
- Due to these factors, in 19th century, Industrial revolution started in Germany. German capitalist class supported the concept of unified Germany. Powerful state could protect the interests of German capitalist class.
- **नेपोलियन बोनापार्ट ने लगभग 200 जर्मन राज्यों को 16 बड़े राज्यों में पुनर्गठित किया। बाद में, वियना समझौते के तहत यह संख्या बढ़कर 39 हो गई। इसके परिणामस्वरूप, जर्मन बाज़ार एकीकृत हो गया।"**
- **नेपोलियन ने महाद्वीपीय व्यवस्था लागू की थी। परिणामस्वरूप, जर्मन क्षेत्रों में ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। अतः अंततः इसका लाभ जर्मनी में स्थानीय उत्पादों को हुआ।**
- **1830 के दशक में, 'ज़ोलवेरिन' के गठन के परिणामस्वरूप जर्मन राज्य प्रशा के साथ आर्थिक रूप से एकीकृत हो गए।**
- **1830-1849 के बीच जर्मनी में रेलवे शुरू हुई, जिससे जर्मन बाज़ार और अधिक एकीकृत हो गया।**
- **1849-50 के बीच, प्रभुता कानूनों को समाप्त कर दिया गया। इसने श्रमिकों के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में प्रवास का मार्ग प्रशस्त किया।**
- **इस काल में जर्मनी में संयुक्त स्टॉक बैंक अस्तित्व में आए। संयुक्त स्टॉक बैंकों ने जर्मनी में पूँजी की आवश्यकता को पूरा किया। वास्तव में, ब्रिटेन में निजी निवेशकों की जो भूमिका थी, वही भूमिका जर्मनी में संयुक्त स्टॉक बैंकों ने निभाई।**
- **इन कारकों के कारण, 19वीं शताब्दी में जर्मनी में औद्योगिक क्रांति शुरू हुई। जर्मन पूँजीपति वर्ग ने एकीकृत जर्मनी की अवधारणा का समर्थन किया। शक्तिशाली राज्य जर्मन पूंजीपति वर्ग के हितों की रक्षा कर सकता था।**

Industrialization in Japan

The Industrialisation in Japan was the part of that modernisation which was started as the result of Meizi restoration. The Japanese Govt was inclined to establish the basic and heavy Industries becoz in order to carry the process of Industrialisation, the foundation of heavy Industries was essential.

जापान में औद्योगीकरण

जापान में औद्योगीकरण उस आधुनिकीकरण का हिस्सा था जो मेइजी सुधार के परिणामस्वरूप शुरू हुआ था। जापानी सरकार बुनियादी और भारी उद्योगों की स्थापना के लिए इच्छुक थी क्योंकि औद्योगीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए भारी उद्योगों की नींव रखना आवश्यक था।

Japanese capitalists were not ready to invest in heavy Industries as it needed heavy investment and it had Long gestation period. Furthermore, the Japanese capitalists were having better option in form of investment in the field of agriculture.It was giving quick and better returns.

जापानी पूँजीपति भारी उद्योगों में निवेश करने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि इसके लिए भारी निवेश की आवश्यकता होती थी और इसकी परिपक्वता अवधि लंबी होती थी। इसके अलावा, जापानी पूँजीपतियों के पास कृषि क्षेत्र में निवेश के रूप में बेहतर विकल्प थे। इससे उन्हें त्वरित और बेहतर लाभ मिल रहा था।

So, Japanese Govt itself took initiative and it was the Govt itself which established large number of heavy industries. The Govt itself played the role of investors but after that,except some industries of strategic importance, the Govt sold all the industries to private capitalists at subsidized rate.

इसलिए, जापानी सरकार ने स्वयं पहल की और सरकार ने स्वयं बड़ी संख्या में भारी उद्योग स्थापित किए। सरकार ने स्वयं निवेशकों की भूमिका निभाई, लेकिन उसके बाद, सामरिक महत्व के कुछ उद्योगों को छोड़कर, सरकार ने सभी उद्योगों को रियायती दरों पर निजी पूँजीपतियों को बेच दिया।

The private capital in Japan was mainly invested in banking sector so it was a group of bankers who purchased industriesdirectly from the Govt. Due to this reason, no new industrial class emerged in Japan but a part of banking capital itself transformed into industrial capital.Thus, Japan presented a very unique case in the field Industrialisation.

जापान में निजी पूँजी मुख्य रूप से बैंकिंग क्षेत्र में निवेशित थी, इसलिए बैंकरों का एक समूह ही सरकार से सीधे कारखानों को ख़रीदा । इस कारण, जापान में कोई नया औद्योगिक वर्ग नहीं उभरा, बल्कि बैंकिंग पूँजी का एक हिस्सा ही औद्योगिक पूँजी में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार, जापान ने औद्योगीकरण के क्षेत्र में एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

In Europe, as a result of Industrialisation, a powerful middle class emerged which controlled the power of monarchy but in Japan, middle class was not emerged.

Three Phases can be traced in Japanese Industrialisation

1. Ist phase (1868-85)

2. 2nd Phase (1885-1918)

3. 3rd Phase (1918-1937)

यूरोप में, औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप, एक शक्तिशाली मध्यम वर्ग का उदय हुआ जिसने राजशाही की सत्ता को नियंत्रित किया, लेकिन जापान में मध्यम वर्ग का उदय नहीं हुआ।

जापानी औद्योगीकरण के तीन चरण देखे जा सकते हैं:

1. प्रथम चरण (1868-85)

2. द्वितीय चरण (1885-1918)

3. तृतीय चरण (1918-1937)

During the first phase, there was much emphasis over developing energy, transport and communications as well as the cotton goods industry. From 1872 , the Construction of Railways started in Japan.

प्रथम चरण के दौरान, ऊर्जा, परिवहन और संचार के साथ-साथ सूती उद्योग के विकास पर विशेष बल दिया गया। 1872 से, जापान में रेलवे का निर्माण शुरू हुआ।

During second phase, there was structural change in Economic sector.for example, In Japanese economy, the contribution of industry increased and agriculture decreased. Japanese capitalists were benefited from the situation of first world war because Japanese capitalists enlarged their market in Asia.

द्वितीय चरण के दौरान, आर्थिक क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन हुए। उदाहरण के लिए, जापानी अर्थव्यवस्था में उद्योग का योगदान बढ़ा और कृषि का योगदान कम हुआ। प्रथम विश्व युद्ध की स्थिति से जापानी पूँजीपतियों को लाभ हुआ क्योंकि जापानी पूँजीपतियों ने एशिया में अपना बाज़ार बढ़ाया।

During the third phase, some basic Industries like chemical and steel industries developed .

In this way, Japan emerged to be one of the most Industrialisednation of the world but one of the strong limitation was rise of monopoly in capital in Japan. This led to the way for Japanese militarism.

तृतीय चरण के दौरान, रसायन और इस्पात उद्योग जैसे कुछ बुनियादी उद्योगों का विकास हुआ।

इस प्रकार, जापान दुनिया के सबसे अधिक औद्योगीकृत राष्ट्रों में से एक बनकर उभरा, लेकिन इसकी एक बड़ी बाधा जापान में पूँजी पर एकाधिकार का उदय था। इससे जापानी सैन्यवाद का मार्ग प्रशस्त हुआ।

12. How was the Japanese Industrial Revolution different from British Industrial Revolution? Elucidate.

Ans : Industrial revolution started in the last decade of the 18th century. Later on it spread in European countries and in other parts of the world. Colonies were formed by Britain during the time of commercial trade. In the beginning these colonies worked for the production of goods and British companies obtained profit from its trade. With new scientific inventions the means for production got changed and establishment of industries started in Britain. Now

colonies were converted into market. With expansion of industrial revolution the competition to get markets started among other countries as well. Japan joined this competition of markets very late with slogan "Asia for Asians". Later this competition became the reason for world war.

Industrial revolution in Japan was completely different from European industrialisation. In Japan industrial revolution started very late in 1868 in which state played very significant role. In European countries specifically in Britain, industrialization was started by the capital and fund obtained from the commercialization whereas in Japan it was done by the loan and credit obtained from the government. Japanese industrial revolution was different from the British industrial revolution in following ways:-

- In Britain private capitalists used their capital to establish separate individual industry. Government's role was limited to providing support and protection. Whereas in Japan government borrowed credit from other countries to develop industries. Later they were handed over to private individuals.
- Like Britain no such capitalist class developed in Japan. Here mainly banking houses became industrialists. Therefore in Japan there was absence of independent industrialist group as it was found in Britain.
- In Britain industrialization was mainly based on production of consumer goods e.g. in beginning mainly textile industries were set up where as in Japan industries were inspired by the production of war equipment.
- In Britain conditions were favorable there were sufficient iron and coal reserves and potential of developed waterways. Whereas there were no reserves for coal and iron in Japan. They were dependent on import of these resources.
- Britain had developed its colonies as market for goods produced in its country whereas Japan was isolated from the world since many years and therefore creation of market was a tough task for it.
- Also due to absence of new middle class in Japan its internal market was weak.

Despite the above differences in the 'start' and 'conditions' Japanese industrial revolution took Japan towards competition for colonies and imperialism. Therefore Japanese industrial revolution was similar to British industrial revolution.

12. जापानी औद्योगिक क्रांति ब्रिटिश औद्योगिक क्रांति से किस प्रकार भिन्न थी? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:औद्योगिक क्रांति 18वीं शताब्दी के अंतिम दशक में शुरू हुई। बाद में यह यूरोपीय देशों और दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल गई। वाणिज्यिक व्यापार के समय ब्रिटेन द्वारा उपनिवेश स्थापित किए गए थे। शुरुआत में ये उपनिवेश वस्तुओं के उत्पादन के लिए काम करते थे और ब्रिटिश कंपनियाँ इसके व्यापार से लाभ कमाती थीं। नए वैज्ञानिक आविष्कारों के साथ उत्पादन के साधन बदल गए और ब्रिटेन में उद्योगों की स्थापना शुरू हुई। अब उपनिवेश बाज़ार में बदल गए। औद्योगिक क्रांति के विस्तार के साथ ही अन्य देशों में भी बाज़ार हासिल करने

की होड़ शुरू हो गई। जापान "एशिया एशियाई लोगों के लिए" के नारे के साथ बाज़ारों की इस होड़ में बहुत देर से शामिल हुआ। बाद में यही होड़ विश्व युद्ध का कारण बनी।

जापान में औद्योगिक क्रांति यूरोपीय औद्योगीकरण से बिल्कुल अलग थी। जापान में औद्योगिक क्रांति बहुत देर से 1868 में शुरू हुई जिसमें राज्य ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूरोपीय देशों में, विशेष रूप से ब्रिटेन में, औद्योगीकरण व्यावसायीकरण से प्राप्त पूँजी और धन द्वारा शुरू किया गया था, जबकि जापान में यह सरकार से प्राप्त ऋण और ऋण द्वारा किया गया था। जापानी औद्योगिक क्रांति ब्रिटिश औद्योगिक क्रांति से निम्नलिखित मायनों में भिन्न थी:-

• ब्रिटेन में निजी पूँजीपतियों ने अपनी पूँजी का उपयोग अलग-अलग उद्योग स्थापित करने के लिए किया। सरकार की भूमिका केवल सहायता और संरक्षण प्रदान करने तक ही सीमित थी। जबकि जापान में सरकार उद्योगों के विकास के लिए अन्य देशों से ऋण लेती थी। बाद में उन्हें निजी व्यक्तियों को सौंप दिया गया।

• ब्रिटेन की तरह जापान में कोई पूँजीपति वर्ग विकसित नहीं हुआ। यहाँ मुख्यतः बैंकिंग घराने ही उद्योगपति बन गए। इसलिए जापान में ब्रिटेन की तरह स्वतंत्र उद्योगपति समूह का अभाव था।

• ब्रिटेन में औद्योगीकरण मुख्यतः उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन पर आधारित था, उदाहरण के लिए, शुरुआत में मुख्यतः कपड़ा उद्योग स्थापित किए गए, जबकि जापान में उद्योग युद्ध उपकरणों के उत्पादन से प्रेरित थे।

• ब्रिटेन में परिस्थितियाँ अनुकूल थीं, वहाँ पर्याप्त लौह और कोयला भंडार थे और विकसित जलमार्गों की संभावना थी। जबकि जापान में कोयला और लौह के भंडार नहीं थे। वे इन संसाधनों के आयात पर निर्भर थे।

• ब्रिटेन ने अपने उपनिवेशों को अपने देश में उत्पादित वस्तुओं के बाज़ार के रूप में विकसित किया था, जबकि जापान कई वर्षों से दुनिया से अलग-थलग था और इसलिए बाज़ार का निर्माण उसके लिए एक कठिन कार्य था।

• जापान में नए मध्यम वर्ग के अभाव के कारण भी उसका आंतरिक बाज़ार कमज़ोर था।

'शुरुआत' और 'परिस्थितियों' में उपरोक्त अंतरों के बावजूद, जापानी औद्योगिक क्रांति ने जापान को उपनिवेशों और साम्राज्यवाद की प्रतिस्पर्धा की ओर धकेल दिया। इसलिए जापानी औद्योगिक क्रांति ब्रिटिश औद्योगिक क्रांति के समान थी।

Industrialization In Russia

Russia was a country of continental size and it was having vast resources. But due to some economic and institutional limitations, it lagged behind the countries like Britain, Germany and France in the field of Industrialization.

रूस में औद्योगीकरण

रूस एक महाद्वीपीय आकार का देश था और उसके पास अपार संसाधन थे। लेकिन कुछ आर्थिक और संस्थागत सीमाओं के कारण, यह औद्योगीकरण के क्षेत्र में ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों से पीछे रह गया।

The socio-economic structure of Russia was traditional. The slavery system was prevailing in Russia. Due to this system, there was the dearth of sufficient Labours for Industries in Russia.LikeBritain, the private capital was not available in Russia.

But inspite of these impediments, industrialization was started in Russia and up to the end of 19th century Russia appeared to be the fourth industrialized nation of the world.

रूस की सामाजिक-आर्थिक संरचना पारंपरिक थी। रूस में दास प्रथा प्रचलित थी। इस व्यवस्था के कारण, रूस में उद्योगों के लिए पर्याप्त श्रमिकों की कमी थी। ब्रिटेन की तरह, रूस में निजी पूँजी उपलब्ध नहीं थी।

लेकिन इन बाधाओं के बावजूद, रूस में औद्योगीकरण शुरू हुआ और 19वीं शताब्दी के अंत तक रूस दुनिया का चौथा औद्योगिक राष्ट्र बन गया।

In 18th century, the process of Industrialization in Russia was started by a Russian monarch, Peter the Great. He was deeply influenced by western Model of industrial revolution. He went to Britain and Holland and brought the model of Industry. He established some Industry for producing war weapons in Russia. In these industries, he introduced a large number of slaves. But Industrialization did not bring any change in Russian society.

18वीं शताब्दी में, रूस में औद्योगीकरण की प्रक्रिया रूसी सम्राट पीटर द ग्रेट द्वारा शुरू की गई थी। वे औद्योगिक क्रांति के पश्चिमी मॉडल से बहुत प्रभावित थे। वे ब्रिटेन और हॉलैंड गए और उद्योग का मॉडल लेकर आए। उन्होंने रूस में युद्ध के हथियार बनाने के लिए कुछ उद्योग स्थापित किए। इन उद्योगों में उन्होंने बड़ी संख्या में दासों को शामिल किया। लेकिन औद्योगीकरण से रूसी समाज में कोई बदलाव नहीं आया।

In Real sense, Industrialization was started in Russia in 19th century. It was a great economic expert Gerscenkron, who prepared the model for Industrialization in Russia. This is popularly known as Gerscenkron model.

वास्तविक अर्थों में, रूस में औद्योगीकरण की शुरुआत 19वीं शताब्दी में हुई थी। रूस में औद्योगीकरण का मॉडल महान अर्थशास्त्री जर्सेनक्रॉन ने तैयार किया था। इसे जर्सेनक्रॉन मॉडल के नाम से जाना जाता है।

According to this model, it is not essential to follow the path of first industrialized country for industrialisation.if some essential fact for industrialization is missing in that county, it can be completed by active policy of Govt and once this process starts,Govt would withdraw itself from the process.

इस मॉडल के अनुसार, औद्योगीकरण के लिए पूर्व के औद्योगिक देश के मार्ग का अनुसरण करना आवश्यक नहीं है। यदि उस देश में औद्योगीकरण के लिए कोई आवश्यक तथ्य अनुपस्थित है, तो उसे सरकार की सक्रिय नीति द्वारा पूरा किया जा सकता है और एक बार यह प्रक्रिया शुरू हो जाने पर, सरकार इस प्रक्रिया से खुद को अलग कर लेती है।

In 19th century, Czar Alexander-II took the active participation in the process of industrialization. Govt participated as aninvestor & also played role of market because market did not develop properly in Russia.

19वीं शताब्दी में, ज़ार अलेक्जेंडर द्वितीय ने औद्योगीकरण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की। सरकार ने एक निवेशक के रूप में भाग लिया और बाजार की भूमिका भी निभाई क्योंकि रूस में बाजार का समुचित विकास नहीं हुआ था।

Under Czar Alexander-II, an economic expert Sergei Wittey encouraged the process of industrialization but in this context, he developed his own model. Foundation of heavy Industries, heavy taxation on peasantry and large external loan (Foreign credit) were Important

features of this model. Due to Govt initiative, Russia emerged to be the fourth Largest Industrialized nation in world.

ज़ार अलेक्जेंडर द्वितीय के अधीन, अर्थशास्त्री "सर्गेई विट्टे" ने औद्योगीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया, लेकिन इस संदर्भ में, उन्होंने अपना स्वयं का मॉडल विकसित किया। भारी उद्योगों की स्थापना, किसानों पर भारी कराधान और बड़े पैमाने पर विदेशी ऋण (विदेशी ऋण) इस मॉडल की महत्वपूर्ण विशेषताएँ थीं। सरकारी पहल के कारण, रूस दुनिया का चौथा सबसे बड़ा औद्योगिक देश बनकर उभरा।

Limitation of Russian Industrialization

1. Focus on capital goods, so dearth of consumer goods in future.
2. Russia became the most indebted nation of the world.
3. Due to over taxation on agriculture, peasants dissatisfied with the system,
4. Due to state controlled economy, middle class did not emerge.It prepared the way for the success of the Proletariat class.

रूसी औद्योगीकरण की सीमाएँ

1. पूँजीगत वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित, इसलिए भविष्य में उपभोक्ता वस्तुओं की कमी।

2. रूस दुनिया का सबसे अधिक ऋणी राष्ट्र बन गया।

3. कृषि पर अत्यधिक कर लगाने के कारण किसान की रीढ़ टूट गयी ।

4. राज्य नियंत्रित अर्थव्यवस्था के कारण मध्यम वर्ग का उदय नहीं हुआ। इसने सर्वहारा वर्ग की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया।

--------□--------